पंजाब केसरी
MON,23 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

प्रो. डॉक्टर राम पाल सैनी हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद हरियाणा सरकार के सदस्य मनोनीत

जींद, 22 फरवरी (ललित) : हरियाणा सरकार द्वारा प्रो. (डॉ.) राम पाल सैनी, कुलगुरु चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद को हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काऊंसिल का सदस्य मनोनीत किया गया है।

यह परिषद हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काऊंसिल एक्ट 2018 के अंतर्गत गठित एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है, जिसका उद्देश्य राज्य में उच्च शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाना, नीतिगत निर्णयों का निर्माण करना तथा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है।

परिषद राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह उच्च शिक्षा मिशन के अंतर्गत विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करने, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य करती है। साथ ही, शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता की रक्षा और शैक्षणिक मानकों की निरंतर समीक्षा भी परिषद के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

प्रो. सैनी वर्तमान में कुलगुरु, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा साथ ही डी.ए.वी. कॉलेज करनाल के प्राचार्य पद का दायित्व भी संभाल रहे हैं। वे राजनीति विज्ञान के प्रख्यात विद्वान, कुशल प्रशासक एवं दूरदर्शी शिक्षाविद् हैं। उन्होंने एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. तथा डी.लिट्. (राजनीति विज्ञान) की उपाधियां अर्जित की हैं। लगभग 30 से अधिक वर्षों के समृद्ध शिक्षण एवं प्रशासनिक अनुभव के दौरान प्रो. सैनी ने शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

उन्होंने 7 महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन किया है, जो राजनीति विज्ञान एवं समसामयिक विषयों पर आधारित हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में 45 शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं, जो आपकी गहन शोध दृष्टि और अकादमिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

इसके अतिरिक्त आपने 70 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की अध्यक्षता कर शिक्षा जगत को नई दिशा प्रदान की है। आपको शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है, जिनमें डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड एक्सीलैंस अवॉर्ड, भारत विद्या रत्न अवॉर्ड, दादा लखमीचंद अवार्ड विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 23 Feb 2026 - Page 2

सीआरएसयू वीसी हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद हरियाणा सरकार के सदस्य मनोनीत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. डा. राम पाल सैनी को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह परिषद हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल एक्ट 2018 के अंतर्गत गठित एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है। जिसका उद्देश्य राज्य में उच्च शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाना, नीतिगत निर्णयों का निर्माण करना तथा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है। परिषद राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उच्च शिक्षा मिशन के तहत विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करने, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य करती है। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता की रक्षा और शैक्षणिक मानकों की निरंतर समीक्षा भी परिषद के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

यह हैं उपलब्धियां

प्रो. सैनी राजनीति विज्ञान के प्रख्यात विद्वानए कुशल प्रशासक एवं दूरदर्शी शिक्षाविद् हैं। एमए, एमफिल, पीएचडी तथा डीलि राजनीति विज्ञान की उपाधियाँ अर्जित की हैं। लगभग 30 से अधिक वर्षों के समृद्ध शिक्षण एवं प्रशासनिक अनुभव के दौरान प्रो. सैनी ने शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सात महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन किया है(जो राजनीति विज्ञान एवं समसामयिक विषयों पर आधारित हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में आपके 45 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद शिक्षा, शोध और नवाचार में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। शिक्षा एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषदए हरियाणा सरकार का सदस्य मनोनीत किया गया है।

दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 23-02-2026

डॉ. रामपाल बने हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य

जींद| हरियाणा सरकार ने सीआरएस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रामपाल सैनी को हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का सदस्य मनोनीत किया है। डॉ. रामपाल सैनी डीएवी कॉलेज करनाल के प्राचार्य पद का दायित्व भी संभाले हुए हैं। वे राजनीति विज्ञान के प्रख्यात विद्वान, कुशल प्रशासक एवं दूरदर्शी शिक्षाविद हैं। यह परिषद हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल एक्ट 2018 के अंतर्गत गठित एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है, जिसका उद्देश्य राज्य में उच्च शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाना, नीतिगत निर्णयों का निर्माण करना और विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है।

दैनिक जागरण

Date-23.02.2026

सीआरएसयू के कुलपति राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य मनोनीत

जासं ● जींद : हरियाणा सरकार ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी को हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का सदस्य मनोनीत किया है। यह परिषद हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल एक्ट 2018 के अंतर्गत गठित एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है, जिसका उद्देश्य राज्य में उच्च शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाना है। प्रो. रामपाल सैनी इससे पहले डीएवी कालेज करनाल में प्राचार्य रह चुके हैं। उन्होंने एमए, एमफिल, पीएचडी और डिलीट की उपाधियां अर्जित की हैं। लगभग 30 से अधिक वर्षों के शिक्षण एवं प्रशासनिक अनुभव के दौरान प्रो. सैनी ने शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने सात महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन किया है।

अमर उजाला

Date-23.02.2026

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य बने कुलपति प्रो. रामपाल सैनी

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। हरियाणा सरकार ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी को हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद का सदस्य नियुक्त किया है।

प्रो. राम पाल सैनी वर्तमान में सीआरएसयू के कुलपति होने के साथ-साथ डीएवी कॉलेज, करनाल के प्राचार्य का दायित्व भी संभाल रहे हैं। प्रो. सैनी के पास 30 वर्षों से अधिक का समृद्ध शिक्षण और प्रशासनिक अनुभव है। वह अब तक सात पुस्तकें लिख चुके हैं। लिखी हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 45 शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. सैनी को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड और भारत विद्या रत्न अवॉर्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। शिक्षा के साथ-साथ वह हरियाणवी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी समर्पित हैं।

हाल ही में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए उन्हें राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया था। उनकी इस नई नियुक्ति से राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है।